



आयु: 2.5+ वर्ष
सूक्ष्म मोटर कौशल



पानी भरना

सामग्री

ट्रे पर दो छोटे जग (या तो समान या आकार में समान), जिनकी नलिकाएं (spouts) एक-दूसरे की ओर हों। दायां जग आधा भरा हुआ है। ट्रे पर एक छोटा स्पंज या कपड़ा भी है, जो एक निर्दिष्ट स्थान पर रखा गया है।

प्रस्तुति

बच्चे को उस दराज (shelf) पर आमंत्रित करें जहाँ यह कार्य सामग्री संग्रहीत है। ट्रे को कैसे पकड़ते हैं, यह दिखाएं और बच्चे को ट्रे को कार्यक्षेत्र में ले जाने दें। बच्चे के दाईं ओर बैठें और बच्चे को अपने हाथ गोद में रखने के लिए कहें जबकि वे देख रहे हों कि आप क्या करने वाले हैं।

दायें हाथ की उंगलियों को दायें जग के हैंडल के चारों ओर रखें। अंगूठे को हैंडल के ऊपर रखें। धीरे-धीरे, जग को उठाएं और इसे दूसरे जग की ओर ले जाते समय, बाएँ हाथ की तर्जनी (index finger) और मध्यमा उंगली (middle finger) को जग के नलिका के नीचे रखें।

जब जग बाएँ जग के बहुत पास हो और उससे थोड़ा ऊंचा हो, तो जग को बहुत धीरे-धीरे झुकाएं। धीरे-धीरे, पानी बाएँ जग में गिरने लगेगा। पानी को बहुत धीरे-धीरे बाएँ जग में गिरने दें। जब दायां जग अंततः खाली हो जाए, तो इसे ध्यान से ट्रे पर रखें और देखें कि क्या ट्रे पर पानी गिरा है। यदि पानी गिरा है, तो स्पंज या कपड़े का उपयोग करके इसे सावधानीपूर्वक पोंछें।

इसे मेज पर आराम से रखते हुए, ट्रे को धीरे-धीरे 180 डिग्री घुमाएं, ताकि पूरा जग अब दाईं ओर हो। बच्चे को यह गतिविधि करने के लिए आमंत्रित करें।

अभ्यास/ भिन्नताएं: विभिन्न जग या बर्तन का उपयोग किया जा सकता है। पानी डालने के लिए लंबे हैंडल वाले कॉफी पॉट का भी उपयोग किया जा सकता है; उन्हें ट्रे पर रखा जा सकता है जिसमें एक (दाईं ओर) नलिका आगे की ओर हो और हैंडल को साइड में विस्तारित किया गया हो। बाएँ जग को ट्रे पर पीछे की ओर रखा जा सकता है, जिसमें हैंडल बाईं ओर विस्तारित हो।

प्रत्यक्ष उद्देश्य

- जल या तरल को कुशलतापूर्वक डालना

अप्रुत्यक्ष उद्देश्य

- गति का समन्वय और मांसपेशियों का नियंत्रण

त्रुटि नियंत्रण

- गिरे हुए पानी को ट्रे या मेज पर गिरते हुए सुना/देखा जा सकता है

रुचि बिंदु

- देखना कि पूरा जग खाली हो गया है

आयु

- ढाई साल से। लगभग 4 साल की उम्र तक, बच्चे की इस गतिविधि में रुचि कम हो सकती है, हालाँकि बच्चे का सावधानीपूर्वक अवलोकन आपको इस बारे में सूचित करेगा। कुछ मामलों में, व्यक्तिगत आवश्यकताएँ और रुचियाँ बच्चे की इस गतिविधि से जुड़ी रहेंगी।